वर्ष-1 , अंक-9 | बेंगलुरु, शुक्रवार , 28 अगस्त 2026 | RNI NO:KNHIN/26/A5540 | Contact:news@bhaarataarth.com | पृष्ठ - 4 ,मूल्य - 5 रुपए

दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ

देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की आहट, 12 पद खाली; दावेदारों की लंबी सूची

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2026। भारतीय जनता पार्टी की नई केंद्रीय टीम के गठन के बाद अब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक कैबिनेट फेरबदल को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। संभावित बदलाव को आगामी विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनाव के राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

संविधान के अनुच्छेद 75(1अ) के अनुसार प्रधानमंत्री सहित केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। 543 सदस्यीय लोकसभा के आधार पर यह अधिकतम 81 मंत्री बैठती है। दिए गए विवरण के अनुसार फिलहाल मंत्रिपरिषद में 69 सदस्य हैं, जिससे 12 पदों की गुंजाइश बताई जा रही है। कई मंत्रियों के पास एक से अधिक विभाग

संभावित फेरबदल की एक वजह मंत्रालयों के कामकाज का संतुलन भी माना जा रहा है। वर्तमान में कई केंद्रीय मंत्री एक से अधिक मंत्रालयों या विभागों का प्रभार संभाल रहे हैं। ऐसे में नए चेहरों को जिम्मेदारी देकर मंत्रालयों का बोझ कम करने की संभावना जताई जा रही है।

किन नेताओं के पद पर उठ रहे सवाल?

भाजपा के संगठनात्मक बदलाव के बाद कुछ नेताओं के संभावित रूप से सरकार से संगठन में जाने की चर्चा है। इनमें पीयूष गोयल का नाम भी शामिल है, जिन्हें पार्टी की नई केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह हर्ष मल्होत्रा और पंकज चौधरी को क्रमशः दिल्ली और उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनके मंत्री पद को लेकर भी राजनीतिक चचाएं हैं। वहीं, हरदीप सिंह पुरी और बी.एल. वर्मा के राज्यसभा कार्यकाल की आगामी समाप्ति को देखते हुए भी मंत्रिपरिषद में संभावित बदलाव की चर्चा हो रही है। भाजपा में सामान्य तौर पर ह्यएक व्यक्ति, एक पदह्ण की नीति को संगठनात्मक फैसलों में महत्व दिया जाता है। युवा और महिला चेहरों पर नजर संभावित विस्तार में युवाओं और महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व दिए जाने की अटकलें भी हैं। मंत्रिपरिषद में वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा चेहरों का संतुलन बनाने पर पार्टी का जोर रह सकता है। इसी क्रम में पंजाब की राजनीति से हरसिमरत कौर बादल का नाम भी संभावित दावेदारों में चर्चा में है। हालांकि, अकाली दल और भाजपा के बीच राजनीतिक समीकरणों तथा किसी संभावित गठबंधन को लेकर अंतिम तस्वीर अभी साफ नहीं है। आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए राज्यसभा सांसदों के समूह से भी किसी नेता को केंद्र में जिम्मेदारी दिए जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस समूह का नेतृत्व राघव चड्ढा कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर भी कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है। सहयोगी दलों को मिल सकता है प्रतिनिधित्व महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट के साथ गठबंधन के समीकरणों को देखते हुए श्रीकांत शिंदे का नाम भी संभावित मंत्रियों में चर्चा में है। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए और एनडीए का समर्थन कर रहे नेताओं को भी केंद्रीय सरकार में प्रतिनिधित्व देने की संभावना पर राजनीतिक हलकों में चर्चा है। विधानसभा चुनावों का दिख सकता है असर आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे महत्वपूर्ण राज्यों से नए चेहरों को केंद्र में स्थान दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा विपक्षी दलों की सरकार वाले कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के साथ राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के राजनीतिक समीकरण भी संभावित फेरबदल में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। फिलहाल मोदी कैबिनेट में फेरबदल को लेकर अंतिम फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को करना है। इसलिए संभावित नामों को लेकर चल रही चचाओं को अभी राजनीतिक अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए, जब तक सरकार की ओर से औपचारिक घोषणा नहीं हो जाती।

जापान में पीयूष गोयल का बड़ा संकेत, आसान होंगे इक्र नियम

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

टोक्यो, 27 अगस्त 2026। भारत में सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार नियामकीय प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर काम कर रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जापान दौरे के दौरान सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में कारोबार सुगमता और निवेश के लिए बेहतर माहौल बनाने पर जोर दिया। भारत सरकार के अनुसार, जापान भारत के सेमीकंडक्टर, एआई, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है।

बैठक में भारतीय मानक ब्यूरो (इक्र) से जुड़े प्रमाणन और अनुपालन आवश्यकताओं को लेकर जापानी कंपनियों की चिंताओं पर चर्चा हुई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों के लिए जरूरी उपकरणों और कलपुर्जों की आपूर्ति में नियामकीय प्रक्रियाओं से जुड़ी व्यावहारिक दिक्कतों का मुद्दा उठाया गया।

प्रमाणन प्रक्रिया आसान करने पर जोर

पीयूष गोयल ने उद्योग की ओर से सामने रखी गई चिंताओं को गंभीरता से लेने की बात कही। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में नई विनिर्माण परियोजनाएं शुरू करने वाली कंपनियों को जरूरी मशीनरी, उपकरण और कलपुर्जों की उपलब्धता में अनावश्यक बाधाओं का सामना न करना पड़े। हालांकि, यह स्पष्ट है कि इक्र मानकों को खत्म करने के बजाय प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक और निवेश-अनुकूल बनाने पर जोर है। किसी विशेष उत्पाद, परियोजना या श्रेणी के लिए छूट

अथवा अलग व्यवस्था लागू करने का अंतिम निर्णय संबंधित सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं के तहत ही होगा।

सेमीकंडक्टर और अकपर भारत की नजर

भारत सरकार सेमीकंडक्टर और एआई को भविष्य के औद्योगिक विकास के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रही है। सरकार के अनुसार, सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उन्नत तकनीकों की आधारभूत जरूरत है। भारत में चिप निर्माण से लेकर डिजाइन और आपूर्ति श्रृंखला तक क्षमता विकसित करने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन पर काम चल रहा है।

पीयूष गोयल ने हाल में भी कहा है कि एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और उन्नत सामग्री जैसे क्षेत्र भारत के औद्योगिक विकास की अगली दिशा तय करेंगे। सरकार ने इन क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं।

जापान को अहम साझेदार मान रहा भारत

पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त तक जापान के दौरे पर हैं और 200 से अधिक कारोबारी प्रतिनिधियों वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में सेमीकंडक्टर, विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, वाहन, वित्तीय सेवाओं और स्टार्टअप सहित कई क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं। जापानी निवेशकों के साथ बातचीत में भारत ने सेमीकंडक्टर, एआई, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश के अवसरों को रेखांकित किया है। सरकार जापानी कंपनियों को भारत में उत्पादन और तकनीकी साझेदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। निवेश बढ़ाने की रणनीति सरकार का व्यापक लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी निवेश का प्रमुख केंद्र बनाना है। इसके लिए एक ओर घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विदेशी कंपनियों के लिए कारोबार शुरू करने और उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रियाओं को सरल बनाने की कोशिश की जा रही है। भारत-जापान सहयोग में सेमीकंडक्टर और एआई को रणनीतिक महत्व भी मिल रहा है। जुलाई 2026 में दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा के तहत सेमीकंडक्टर और एआई समेत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। ऐसे में इक्र प्रमाणन से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाने की पहल सफल होती है तो इससे भारत में नई इलेक्ट्रॉनिक और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को गति मिलने की संभावना है। हालांकि, वास्तविक प्रभाव प्रस्तावित बदलावों के लागू होने और उनके दायरे पर निर्भर करेगा।

मेट्रो के पास बनेंगे हाईराइज, FAR 500 तक

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2026। जमीन की सीमित उपलब्धता और तेजी से बढ़ती आबादी के बीच दिल्ली के शहरी विकास का स्वरूप बदलने की तैयारी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (ऊळअ) के नए मास्टर प्लान-2047 में सार्वजनिक परिवहन के आसपास घने और मिश्रित उपयोग वाले विकास को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत मेट्रो कॉरिडोर के आसपास बड़े पैमाने पर आवासीय, व्यावसायिक और सार्वजनिक सुविधाओं का विकास किया जा सकेगा। DDA के अनुसार, दिल्ली की आबादी वर्तमान में करीब 2.4 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2047 तक लगभग 3.2 करोड़ होने का अनुमान है। ऐसे में सीमित जमीन का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए ऊंची और अधिक घनत्व वाली इमारतों के विकास पर जोर दिया जा रहा है।

मेट्रो कॉरिडोर के आसपास FAR 500मास्टर प्लान-2047 के तहत ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट

(ळडऊ) क्षेत्रों में फ्लोर एरिया रेशियो (ऋअफ) 500 तक रखने का प्रावधान किया गया है। इसका मतलब है कि भूखंड के आकार की तुलना में काफी अधिक कुल निर्मित क्षेत्र विकसित किया जा सकेगा। 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को मेट्रो कॉरिडोर के आसपास घने और हाईराइज विकास के लिए खोले जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, ऋअफ500 का अर्थ सीधे तौर पर हर स्थान पर 30 या 40 मंजिला इमारत बनना नहीं है। वास्तविक भवन की ऊंचाई भूखंड, सड़क की चौड़ाई, अग्नि सुरक्षा, विमानन और अन्य लागू भवन नियमों तथा संबंधित स्वीकृतियों पर निर्भर करेगी।

एक ही क्षेत्र में घर, दुकान और दफ्तर TOD का उद्देश्य लोगों के घर, रोजगार, खरीदारी और सार्वजनिक परिवहन को एक-दूसरे के करीब लाना है। मेट्रो और अन्य प्रमुख परिवहन केंद्रों के आसपास मिश्रित उपयोग वाले विकास से लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम हो सकती है। नई व्यवस्था में छोटे और किफायती आवासों पर भी जोर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ळडऊ भूखंडों में अनुमत निर्माण क्षेत्र का 65 प्रतिशत हिस्सा 60 वर्ग मीटर से कम कारपेट एरिया वाले फ्लैटों के लिए इस्तेमाल करने का प्रावधान है।

झुग्गी पुनर्वास में भी बढ़ेगा निर्माण अधिकार मास्टर प्लान-2047 में इन-सिटू झुग्गी पुनर्वास योजनाओं के लिए भी ऋअफ बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। पुनर्वास और व्यावसायिक, दोनों घटकों के लिए ऋअफ को 500 तक करने की बात कही गई है। साथ ही ऐसे प्रोजेक्टों में पहले लागू अधिकतम घनत्व सीमा को हटाने का प्रस्ताव है।

इसका उद्देश्य झुग्गी क्षेत्रों के पुनर्विकास को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना और पात्र निवासियों के लिए बेहतर आवास उपलब्ध कराना है। जमीन के बजाय ऊंचाई पर जोर

दिल्ली की भौगोलिक सीमाओं और जमीन की बढ़ती मांग को देखते हुए नई नीति का मूल विचार शहर को अनियंत्रित तरीके से बाहर फैलाने के बजाय परिवहन गलियारों के आसपास अधिक सघन विकास करना है। इससे सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ाने, आवागमन की दूरी घटाने और शहर में आवास की उपलब्धता बढ़ाने की उम्मीद है। हालांकि, ऊंची इमारतों के बढ़ते विस्तार के साथ पानी, सीवर, बिजली, पार्किंग, अग्नि सुरक्षा, यातायात और हरित क्षेत्र जैसी बुनियादी सुविधाओं पर दबाव बढ़ने की आशंका भी रहेगी। इसलिए योजना की सफलता केवल अधिक निर्माण की अनुमति पर नहीं, बल्कि उसके साथ जरूरी शहरी बुनियादी ढांचे के विकास पर भी निर्भर करेगी। DDA की आधिकारिक वेबसाइट पर मास्टर प्लान-2041 से संबंधित दस्तावेज और योजना संबंधी जानकारी उपलब्ध है।

IIT दिल्ली छात्र की मौत, अज्ञात पर केस

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

नई दिल्ली, 27 अगस्त 2026। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (क्क्ळ) दिल्ली में 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार की मौत के मामले में पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई छात्र की मौत के बाद परिसर में लगातार दो दिन हुए प्रदर्शन के बीच हुई है।

पुलिस के अनुसार, घटना 22 अगस्त को हुई थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ऋषिकेश कुमार लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल से नीचे गिर गए थे। संस्थान के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की सूचना के बाद पुलिस ने उसी दिन मामले में प्राथमिकी दर्ज की। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत कार्रवाई

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट की अगुवाई वाली नेशनल टास्क फोर्स (ठळऋ) की सिफारिशों के अनुरूप की गई है। उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की घटनाओं को लेकर गठित ठळऋने ऐसी घटनाओं पर संस्थानों और पुलिस की जवाबदेही को लेकर कई सिफारिशें की हैं। इन सिफारिशों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने उच्च शिक्षण संस्थानों में किसी भी अप्राकृतिक मौत या आत्महत्या की घटना की तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना देने और मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

जांच के दौरान पुलिस ने संस्थान में लगे उउळश कैमरों की फुटेज भी अपने कब्जे में लेकर उसकी पड़ताल शुरू की है। प्रारंभिक तौर पर फुटेज में ऋषिकेश कुमार घटना से कुछ समय पहले अकेले परिसर में चलते दिखाई दिए। इसके बाद वह लिफ्ट के जरिए लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल की ओर जाते नजर आए।

पुलिस अब उउळश फुटेज के अलावा घटनास्थल से जुड़े अन्य साक्ष्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकी फिलहाल अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों ने किया प्रदर्शन

छात्र की मौत के बाद क्क्ळ दिल्ली परिसर में विद्यार्थियों ने लगातार दो दिनों तक प्रदर्शन किया। छात्रों ने मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच तथा संस्थान में विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर कदम उठाने की मांग की।

संस्थान प्रशासन की ओर से भी पुलिस को शिकायत देकर मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई का अनुरोध किया गया है।

इस साल दूसरी ऐसी घटना

पुलिस के अनुसार, इस वर्ष क्क्ळ दिल्ली में किसी छात्र की कथित आत्महत्या से जुड़ी यह दूसरी घटना है। इससे पहले मार्च में 19 वर्षीय इळ्ीं छात्र हर्षित स्वामी हॉस्टल के कमरे में मृत पाए गए थे। उस मामले में भी संस्थान के सुरक्षा अधिकारी की लिखित शिकायत के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, हर्षित स्वामी मामले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। वहीं, ऋषिकेश कुमार की मौत के मामले में पुलिस फिलहाल उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि ऋषिकेश कुमार की मौत के वास्तविक कारण और किसी व्यक्ति की संभावित भूमिका का निर्धारण जांच पूरी होने के बाद ही किया जा सकेगा। फिलहाल मामले में किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा।

रक्षा मंत्री ने जबलपुर में टैंक मरम्मत परियोजना का किया शिलान्यास

जबलपुर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां स्थित व्हीकल फैक्टरी जबलपुर (वीएफजे) में टी-सीरीज के युद्धक टैंक की मरम्मत के लिए 472 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना की आधारशिला रखी। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित सुविधा में हर साल टी-72 और टी-90 के 80 टैंक की मरम्मत व रखरखाव किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना को हर साल ऐसे करीब 230 टैंक की मरम्मत की आवश्यकता होती है। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई के अवाडी स्थित हेवी व्हीकल्स फैक्टरी में फिलहाल हर साल करीब 150 टैंक की मरम्मत की जाती है। उन्होंने कहा कि जबलपुर की 57 साल पुरानी वीएफजे में बनने वाली नई सुविधा इस कमी को पूरा करेगी। वीएफजे, आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड और रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित एक प्रमुख सैन्य वाहन विनिर्माण इकाई है। अधिकारियों ने बताया कि 1969 में स्थापित इस फैक्टरी में शुरूआत में जर्मनी की एम.ए.एन. के सहयोग से शक्तिमान 3टी वाहन तथा जापान की निसान मोटर्स कंपनी के सहयोग से निसान 1टी और जोंगा वाहनों का उत्पादन किया जाता था। उन्होंने बताया कि फैक्टरी परिसर 330 एकड़ में फैला है, जबकि इससे लगा एस्टेट 600 एकड़ में है।

शुभकामना

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

- सम्पादक

सूचना

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 30 अगस्त को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

महिला-विरोधी कांग्रेस के कारण देश में समान नागरिक संहिता लागू नहीं हो पायी: हिमंत शर्मा

सोमनाथ (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि महिला-विरोधी कांग्रेस के कारण देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और अन्य प्रगतिशील कानून लागू नहीं हो सके हैं तथा महिलाओं को समान अधिकार नहीं मिल पाए हैं। गुजरात के गिर सोमनाथ आये शर्मा ने जेन-जी और जेन-अल्फा को पश्चिमी शब्दावली करार दिया और कहा कि इस तरीके से विभिन्न पीढ़ियों का वर्गीकरण सही नहीं है। असम के मुख्यमंत्री ने यहां सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने हर नागरिक से अपनी उम्र की परवाह किए बिना देश को मजबूत बनाने में योगदान करने की भी अपील की। शर्मा ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस महिला विरोधी दल है, जिसकी वजह से देश में समान नागरिक संहिता लागू नहीं हो पायी और महिलाओं को बराबरी के अधिकार नहीं मिले। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि महिलाओं को कांग्रेस का पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहिए। हमारे देश में कुछ प्रगतिशील कानून न बन पाने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।श् जब उनसे श्जेन-जीश् के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारे देश

में जेन-जी या जेन अल्फा जैसी कोई अवधारणा नहीं है। यहां तो बेटे-बेटियां, माता-पिता और दादा-दादी होते हैं। जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसे शब्द हैं जो अमेरिका और यूरोप से आए हैं तथा उस संस्कृति से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा दायित्व है कि हम अपने बेटे-बेटियों की भलाई के लिए काम करें। उन्हें जेन-जी या जेन-अल्फा जैसी श्रेणियों में बांटना सही नहीं है। हमें एक परिवार की तरह साथ रहना चाहिए, अपने बच्चों की भलाई के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और देश को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब देश के सामने चुनौतियां आती हैं, तो सभी को उनका सामना करना चाहिए और देश को आगे बढ़ाना चाहिए।

त्रासदी के समय नेपाल में मौजूद थे कांग्रेस सांसद शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। बुधवार को नेपाल में आई भारी तबाही के समय कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी नेपाल में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बाढ़ से नेपाल में भारी तबाही हुई है। साथ ही उन्होंने भारत सरकार के प्रयासों की भी तारीफ की। बुधवार को नेपाल में आई बाढ़ में भारी तबाही हुई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी बुधवार को नेपाल में मौजूद थे। थरूर एक कार्यक्रम में शामिल होने बुधवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे और उन्हें उत्तरी नेपाल में आई भयावह बाढ़ के बारे में पता नहीं था। थरूर ने बाढ़ में हुई भारी जान-माल की तबाही पर चिंता जताई है। शशि थरूर ने गुरुवार को एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, कल काठमांडू के लिए निकला था, और मुझे पहाड़ों में हुई उस तबाही के बारे में बिल्कुल भी पता नहीं था जिसने इतना भारी नुकसान पहुंचाया है।'कांग्रेस सांसद ने कहा कि काठमांडू पहुंचने के बाद उन्हें आपदा से हुई तबाही के बारे में पता चला। गौरतलब है कि नेपाल त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 177 हो गया है और नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं, जिनमें 300 से ज्यादा भारतीय शामिल हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा, 'काठमांडू पहुंचने पर मुझे जान-माल के नुकसान और इस बात का पता चला कि करीब दो हजार या उससे ज्यादा लोग लापता हैं।' बाढ़ से नेपाल में हुई भारी तबाही उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले में तिब्बत सीमा के पास अचानक आई भीषण बाढ़ ने भोटे कोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे भारी तबाही मचाई। थरूर ने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे घाटी में गिर गया, जिससे यह तबाही आई। बाढ़ के तेज पानी ने कम से कम 19 परिवहन पुलों को नष्ट कर दिया, बेट्रावती-रसुवागढ़ी हाईवे का लगभग 40 किलोमीटर हिस्सा तबाह हो गया और आठ चालू पनबिजली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

सम्पादकीय

हीरा नहीं, ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी है

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

आज के दौर में जब सफलता को अक्सर धन, संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा के पैमाने से मापा जाता है, तब ह्यसाधु और फकीरह्ल की यह कहानी हमें जीवन की एक ऐसी सच्चाई से परिचित कराती है, जिसे आधुनिक समाज कहीं न कहीं भूलता जा रहा है। कहानी का केंद्र एक कीमती हीरा है, लेकिन इसका वास्तविक संदेश हीरे की कीमत नहीं, बल्कि ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और विश्वास की अमूल्यता है। कहानी में साधु के पास एक बहुमूल्य हीरा था, जिसे उन्होंने अपनी निजी संपत्ति के रूप में नहीं, बल्कि किसी योग्य व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से संभालकर रखा था। एक फकीर ने साधु की सरलता को कमजोरी समझ लिया और हीरा चुराने की नीयत बना ली। उसने दो रात तक साधु के सामान और कपड़ों में हीरा खोजा, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। कारण यह था कि साधु ने उसकी नीयत समझकर हीरा उसी के कपड़ों में छिपा दिया था। यह प्रसंग मनुष्य के स्वभाव पर गहरा प्रकाश डालता है। हम प्रायः दूसरों की कमियां तलाशने में जितनी ऊर्जा खर्च करते हैं, उतनी अपने भीतर झांकने में नहीं लगाते। दूसरों की नीयत पर संदेह करना आसान है, लेकिन अपनी नीयत की जांच करना कठिन। फकीर की सबसे बड़ी भूल यही थी कि वह साधु के कपड़ों और झोले को तो बार-बार टटोलता रहा, लेकिन अपने ही कपड़ों को देखने की आवश्यकता उसे महसूस नहीं हुई। यही स्थिति आज हमारे सामाजिक जीवन की भी है। हम भ्रष्टाचार, बेईमानी, छल, स्वार्थ और अनैतिकता के लिए दूसरों को दोष देते हैं, लेकिन यह प्रश्न बहुत कम पूछते हैं कि इन समस्याओं में हमारी अपनी भूमिका क्या है। समाज तभी सुधरता है जब व्यक्ति आत्ममंथन से शुरूआत करता है। कहानी का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष तब सामने आता है, जब फकीर झूठा आरोप लगाकर अपने हीरे की चोरी का नाटक करता है। जहाज पर सभी यात्रियों की तलाशी ली जाती है। साधु पर किसी को संदेह नहीं था, फिर भी साधु स्वयं अपनी तलाशी देने के लिए तैयार हो जाते हैं। उनका तर्क था कि यदि किसी यात्री का हीरा चोरी हुआ है तो उसके मन में शंका बनी रहेगी। इसलिए विश्वास के बावजूद तलाशी से बचना उचित नहीं। यहीं साधु का चरित्र अपनी ऊंचाई पर पहुंचता है। वे जानते थे कि उनकी नीयत साफ है, इसलिए उन्हें जांच से डर नहीं लगा। सच्चाई को किसी सुरक्षा कवच की आवश्यकता नहीं होती। वह जांच और सवालों का सामना करने की क्षमता रखती है। सबसे बड़ा संदेश कहानी के अंत में मिलता है। साधु हीरे को समुद्र में फेंक देते हैं। वे स्पष्ट करते हैं कि वे धन और हीरा खो सकते हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा नहीं खोना चाहते। यह निर्णय आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। धन वापस कमाया जा सकता है। संपत्ति दोबारा बनाई जा सकती है। पद और प्रतिष्ठा भी परिस्थितियों के साथ बदल सकते हैं। लेकिन विश्वास एक बार टूट जाए तो उसे पुनः अर्जित करना अत्यंत कठिन होता है। किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसके बैंक खाते में नहीं, बल्कि लोगों के मन में उसके प्रति मौजूद विश्वास में होती है। आज सार्वजनिक जीवन से लेकर व्यापार, राजनीति, परिवार और व्यक्तिगत संबंधों तक विश्वास का संकट दिखाई देता है। छोटी-सी बेईमानी को लोग ह्यव्यावहारिकताह्ल कहकर स्वीकार करने लगे हैं। झूठ को सुविधा और स्वार्थ को सफलता का साधन मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे समय में साधु का यह निर्णय हमें याद दिलाता है कि जीवन में कुछ मूल्य ऐसे होते हैं जिनकी कीमत किसी भी धन से अधिक है। इस कहानी में फकीर का अंततः पश्चाताप करना भी महत्वपूर्ण है। गलत नीयत रखने वाला व्यक्ति भी यदि अपनी भूल स्वीकार कर ले तो परिवर्तन की संभावना हमेशा रहती है। इसलिए समाज को केवल दोषियों को दंडित करने की नहीं, बल्कि उन्हें आत्मबोध का अवसर देने की भी आवश्यकता है। इस पूरी कथा का सार यही है कि हीरा बाहर खोजने से पहले अपने भीतर के चरित्र को तलाशना चाहिए। यदि ईमानदारी हमारे पास है, तो हम बहुत कुछ खोकर भी वास्तव में निर्धन नहीं होते। लेकिन यदि ईमानदारी खो दी, तो संसार की सारी संपत्ति होने के बावजूद मनुष्य भीतर से गरीब हो जाता है। आज जब भौतिक उपलब्धियों की चमक ने जीवन-मूल्यों को पीछे धकेल दिया है, तब यह कहानी समाज के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली संदेश देती है—धन जीवन को सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन ईमानदारी ही जीवन को सम्मान देती है। अंततः मनुष्य अपने साथ न तो धन ले जाता है, न संपत्ति और न ही पद। उसके साथ जाते हैं उसके कर्म, उसका चरित्र और लोगों के बीच बनाई गई उसकी सच्ची पहचान। इसलिए जीवन की सबसे बड़ी कमाई वही है जिसे कोई चोर चुरा न सके—सत्य, ईमानदारी और विश्वास।

ज्ञान का पिटारा व मन का सुकून है देखा जब स्वप्न सबेरे

पुस्तक समीक्षा - समीक्षक लालबहादुर चौरसिया लाल

'साहित्य' शब्दों का मकड़जाल नहीं वरन विचारों का एक विशाल मंथन है। साहित्यकार जब हृदय को अध्ययन,स्वविवेक व यथार्थ की मथनी से मथता है तो आए दिन नवीनतम साहित्य निकाल कर बाहर आते हैं। जो धरा धाम को युगों युगों तक अपनी स्वर्णिम आभा, मधुरिम पराग व मनहर सुगंध से भरते रहते हैं। हिंदी साहित्य की दो विधाए हैं। गद्य साहित्य व पद्य साहित्य। गद्य साहित्य की अनेकों शाखाएं हैं। उन्ही शाखाओं में एक शाखा है 'यात्रा वृत्त' । यात्रा वृत्त गद्य की बड़ी ही रोचक विधा है। पाठक को यह बिल्कुल चलचित्र की अनुभूति प्रदान करती है।

अभी हाल में ही मैंने ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ जितेंद्र पांडेय जी की पुस्तक ₹देखा जब स्वप्न सवेरे₹ पढ़ी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा 'काका कालेलकर' पुरस्कार से पुरस्कृत तथा यात्रावृत्त के पैमाने पर सोरहो आने खरी उतरने वाली यह पुस्तक विशिष्ट है। डॉ जितेंद्र पांडेय जी ने भारत के विभिन्न स्थलों की अपने यात्रा के दौरान अलग-अलग शीर्षकों से ऐसा खाका तैयार किया है जो मन को आह्लादित ही नहीं सुकून व ज्ञान से भर देता है। पुस्तक पढ़ने पर ऐसा प्रतीत होता है कि पाठक पढ़ नहीं, वर्णित स्थलों को देख रहा हो। यह डॉ जितेंद्र पांडेय के उत्कृष्ट लेखन शैली का परिचय है। चाहे धार्मिक स्थल हो, पौराणिक स्थल हो, ऐतिहासिक स्थल हो, या किसी व्यक्ति विशेष से मुलाकात का वर्णन हो, सभी बेजोड़ है।

यात्रा वृत्त ₹देखा जब स्वप्न सवेरे₹ का प्रथम पाठ ₹भय बिनु होय न प्रीति₹ से प्रारंभ होता है। इसमें दक्षिण भारत के पौराणिक स्थल रामेश्वरम के साथ-साथ वहां के अनेकों दर्शनीय व धार्मिक स्थलों का वृतांत समाहित है। लेखक डॉ जितेंद्र पांडेय जी ने यात्रा वृत्त के दौरान स्थलों का वर्णन ही नहीं किया अपितु पाठकों को पौराणिक, ऐतिहासिक व आस्था की चासनी से पगी हुई ज्ञान सलिला में डुबकी लगाने पर भी विवश किया है। विराट स्वरूप से लेकर सूक्ष्म जानकारी को भी साझा किया है, जो लेखक के साहित्य साधना का प्रमाण है। कहीं कहीं अपनी पीड़ा को भी प्रकट किया है।एक बानगी देखें-

(पुस्तक- देखा जब स्वप्न सवेरे- पृष्ठ संख्या 13)

मंदिर की परिक्रमा करते समय चौबीस कुंडों के जल से स्नान करना पुण्य माना जाता है। कुछ कुंड सुख भी गए हैं। इनके जल औषधीय गुणों से युक्त हैं। इन कुंडों में स्नान करते हुए हम आगे बढ़ रहे थे किंतु इनकी गंदगी आस्था पर भारी पड़ने लगी। हरी काई और फंगस के बीच तैरती छोटी-छोटी मछलियां मंदिर प्रशासन की लापरवाही बयां कर रही थीं।₹

पुस्तक ₹देखा जब स्वप्न सवेरे₹ में ₹एक गुलशन था जलवा नुमा इस जगह₹ शीर्षक में डॉ. जितेंद्र पांडेय जी ने बीजापुर के गोलकुंडा का वर्णन बड़े ही व्यवस्थित ढंग से किया है। लगभग 2000 एकड़ में फैले इस विस्तृत भूखंड को साहित्यकार ने अपने यात्रा वृत्तांत के दौरान सन 1364 से लेकर अब तक की तमाम गतिविधियों पर प्रकाश डाला है। चाहे सन 1518 का कुतुबशाही शासन रहा हो, चाहे 1627 का औरंगजेब का अधिपत्य रहा हो या गोलकुंडा किले पर अंग्रेजी शासन रहा हो तथा अंग्रेजी शासन के बाद हिंदू राजा शिवाजी का आधिपत्य रहा हो। डॉ जितेंद्र पांडेय जी ने अनेकों ऐतिहासिक जानकारी पर प्रकाश डाला है । गोलकुंडा के वास्तु शैली, विभिन्न बेगमों के स्थापित

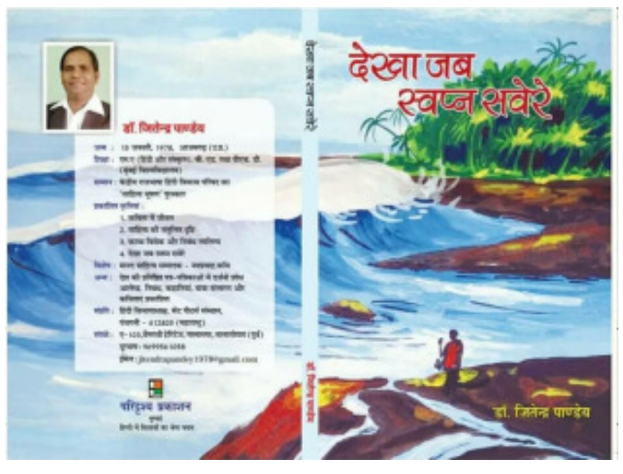

महल, रोमांटिक प्रेम कथाओ एवं वहां के हीरे या अन्य वस्तुओं के वैश्विक बाजार का भी वर्णन बड़े ही संजीदगी से किया है। डॉ जितेंद्र पांडेय ने तात्कालिक दृश्य पर ऐसा प्रकाश डाला है जो वास्तव में पाठक को आनंद प्रदान करता है। जिसका एक उदाहरण देखें-

(पुस्तक -देखा जब सपना सवेरे -पृष्ठ संख्या 18)

संगीत संवाद और प्रकाश के समवेत मिश्रण में गोलकुंडा का इतिहास उतरने लगा। सोते हुए इतिहास का स्रोत रिस रिस कर टलमल कर रहा था। तारों भरे आकाश के नीचे सदियां बोल रही थीं। ध्वनि और प्रकाश के सम्मिलित प्रभाव से हम जान पाए कि चार मील के दायरे में फैले गोलकुंडा फोर्ट की गाथा सन 1364 से शुरू होती है।.....

लगभग डेढ़ घंटे तक हम गोलकुंडा के प्रांगण में बैठे इतिहास के वैभव और पतन के महानगर में डूबते उतरते रहे।₹

गोलकुंडा के विभिन्न दृश्यों का वर्णन करते-करते देश के बड़े चिड़ियाघर ₹नेहरू प्राणी उद्यान₹ देखने के उपरांत लेखक डॉक्टर जितेंद्र पांडे द्रवित हो उठते हैं। यात्रा वृत्त से कुछ हटकर अपने मन की पीड़ा को स्थान देना उन्होंने उपर्युक्त समझा और होना भी चाहिए। पीड़ा कहीं की हो उसका उद्गार तो होना ही चाहिए। यही कलमकार को श्रेष्ठता की तरफ ले जाती है।

(देखें पुस्तक देखा जब स्वप्न सवेरे -पृष्ठ 23)

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम रचना है। मनोरंजन के नाम पर जीवों को कैद करना कितना उचित है। काश !इन बेजुबानों के दर्द की एक लिपि होती। यह भी न्याय की फरियाद कर पाते। मनुष्य ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कचहरियां तो बना ली है किंतु इनका क्या? कुछ सौभाग्यशाली पशु पक्षियों के अलावा बाकी न्याय की प्रतीक्षा में रत। दूसरी तरफ विलुप्तप्राय प्राणियों का संरक्षण करता मानव देव तुल्य लगा।इन्हीं विचारों में डूबता उतराता मैं चिड़ियाघर से बाहर निकल आया।₹

देखा जब स्वप्न सवेरे₹ पुस्तक में एक शीर्षक है ₹योगियों मनीषियों की जमीं पर₹ जिसमें लेखक ने साहित्यकार विश्वनाथ प्रसाद तिवारी जी से मुलाकात का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया है। साथ ही साथ गोरखपुर के तपोवन व अनेकों तपस्वीयों का व्यापक वर्णन करते हुए गोरखनाथ मंदिर का सजीव चित्रण उकेरा है। देखें-

(₹देखा जब स्वप्न सवेरे₹- पृष्ठ27)

भीतरी कक्ष के मुख्य वेदी पर गोरखनाथ की दिव्य मूर्ति है। पास में ही इनकी चरण पादुका भी है। गोरखनाथ हठ योगी थे। माना जाता है त्रेता में इस योगी ने यहां पर धुनी रमई थी। जिसकी अखंड ज्योति आज भी जल रही है। यह ज्ञान ज्योति अखंडता और एकता की प्रतीक है। महाभारत काल के पांडवों ने राजसूय यज्ञ किया था।पांडवों की तरफ से भीम गोरखनाथ के लिए निमंत्रण पत्र लेकर आए थे। उस समय वे ध्यानस्थ थे।अतः भीम को महीनों मठ के बाहर इंतजार करना पड़ा। आज भी मंदिर के बाहर भीम की विशालकाय प्रतिमा विश्राम की मुद्रा में लेटी है। प्राचीन काल से यह यौगिक साधना का प्रसिद्ध केंद्र रहा है। इसी कारण मुगल सम्राटों ने इस मठ को मटिया मेट करने की कई बार कोशिशें की। इसी प्रकार ₹देखा जब स्वप्न सवेरे₹ यात्रा वृत्त में डॉ जितेंद्र पांडेय जी ने 'गंगा का मौन हाहाकार' 'देखा जब स्वप्न सवेरे' 'को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ' 'उत्तर दिसि सरयू बह पावन' 'जल में कुंभ' 'झरती आस्थाएं' जैसे अनेकों शीर्षक रूपी पुष्पों का ऐसा गुलदस्ता तैयार किया है जो साहित्याकाश में दीप्तिमान सितारों के समान प्रतीत होता है। लेखक डॉ जितेंद्र पांडेय जी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

यदि आपको अवसर मिले तो डॉ जितेंद्र जी की पुस्तक देखा जब स्वप्न सवेरे यात्रा वृत्त अवश्य पढ़िएगा।

धन्यवाद,

-लालबहादुर चौरसिया 'लाल'
महामंत्री (विश्व हिंदी शोध एवं संवर्धन अकादमी आजमगढ़)

स्वर्ग कहीं बाहर नहीं, हमारी कृतज्ञता में है

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

मनुष्य सदियों से मृत्यु के बाद मिलने वाले स्वर्ग की कल्पना करता आया है। कोई उपवास करता है, कोई दान-पुण्य करता है, कोई तीर्थयात्रा करता है और कोई ईश्वर से मन्नतें मांगता है। इन आस्थाओं का अपना आध्यात्मिक महत्व है, लेकिन एक प्रश्न हमें जीवन में रहते हुए भी पूछना चाहिए—क्या हम जिस स्वर्ग की तलाश मृत्यु के बाद करते हैं, उसका एक रूप हमारे पास आज ही मौजूद नहीं है?

यदि हम अपने दैनिक जीवन को थोड़ी देर ठहरकर देखें तो इसका उत्तर काफी हद तक हमारे सामने दिखाई देता है। एक बटन दबाते ही अंधेरा प्रकाश में बदल जाता है। दूसरा बटन दबाते ही पंखा चल पड़ता है। तीसरा बटन दबाते ही वातानुकूलित हवा कमरे को ठंडा कर देती है। नल खोलते ही पानी उपलब्ध हो जाता है। गैस या इंडक्शन पर कुछ ही मिनटों में भोजन तैयार हो जाता है। मोबाइल फोन के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से क्षणभर में संपर्क हो जाता है। ज्ञान, मनोरंजन, समाचार और संचार—सब कुछ हमारी हथेली में सिमट आया है।

दो-तीन सौ वर्ष पहले का कोई राजा यदि आज के एक सामान्य मध्यमवर्गीय घर में कुछ घंटे बिताए, तो शायद वह इन सुविधाओं को किसी चमत्कार से कम न माने। गर्म पानी, ठंडी हवा, बिजली, मोबाइल, इंटरनेट, घर तक पहुंचने वाला भोजन और हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति को वीडियो कॉल पर देख पाने की सुविधा—इनमें से अधिकांश चीजें उस समय के सबसे शक्तिशाली शासकों के लिए भी उपलब्ध नहीं थीं।

फिर सवाल यह है कि इतनी सुविधाओं के बावजूद आधुनिक मनुष्य पहले की तुलना में अधिक संतुष्ट क्यों नहीं दिखाई देता?

इसका एक बड़ा कारण है—सुविधाओं का सामान्य हो जाना। जिस सुविधा के लिए कभी मनुष्य तरसता था, वह मिलते ही उसकी अपेक्षा बन जाती है। अउ चल रहा है तो हमें उसका आनंद नहीं, बल्कि तापमान थोड़ा अधिक होने की शिकायत दिखाई देती है। मोबाइल हाथ में है तो संतोष नहीं, बल्कि नया मॉडल कब आएगा इसकी चिंता होती है। अपना घर है, फिर भी किसी और का बड़ा घर मन को परेशान करता है। अपनी गाड़ी है, लेकिन पड़ोसी की महंगी गाड़ी तुलना का कारण बन जाती है।

यानी समस्या सुविधाओं की कमी से अधिक हमारी अपेक्षाओं के विस्तार की है।

विडंबना यह है कि हम अपने जीवन को दूसरों के जीवन से तुलना करके दुखी करते रहते हैं। जबकि इसी समाज में ऐसे लाखों लोग हैं जिनके लिए स्वच्छ पानी, पौष्टिक भोजन, सुरक्षित आवास और शिक्षा आज भी बड़ी उपलब्धियां हैं। किसी के लिए ऑनलाइन पढ़ाई में मोबाइल की धीमी गति परेशानी हो सकती है, तो किसी बच्चे के लिए पढ़ाई करने के लिए मोबाइल का होना ही सपना है। कोई गर्म पानी देर से आने पर नाराज होता है, जबकि कोई परिवार दिनभर पानी मिलने की प्रतीक्षा करता है।

इस तुलना का उद्देश्य सुविधासंपन्न व्यक्ति को अपराधबोध से भरना नहीं, बल्कि कृतज्ञता का भाव जगाना होना चाहिए।

कृतज्ञता का अर्थ यह नहीं कि हम अपनी समस्याओं को नजरअंदाज कर दें या बेहतर जीवन की आकांक्षा छोड़ दें। इसका अर्थ केवल इतना है कि जो हमारे पास है, उसकी कीमत भी समझें। विकास जरूरी है, महत्वाकांक्षा भी जरूरी है, लेकिन संतोष और कृतज्ञता के बिना उपलब्धियां भी मनुष्य को स्थायी खुशी नहीं दे सकतीं।

आज मानसिक तनाव, अकेलापन और असंतोष की चर्चा बढ़ रही है। ऐसे समय में कृतज्ञता एक सरल मानसिक अनुशासन बन सकती है। दिन समाप्त होने पर यदि हम केवल कुछ क्षण यह सोचें कि आज हमें सांस लेने के लिए जीवन मिला, पीने को पानी मिला, भोजन मिला, रहने को स्थान मिला और अपने लोगों का साथ मिला—तो जीवन को देखने का नजरिया बदल सकता है।

हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम अपने पास मौजूद चीजों की सूची नहीं बनाते, केवल उन चीजों की सूची बनाते हैं जो हमारे पास नहीं हैं। यही तुलना धीरे-धीरे शिकायत में बदलती है और शिकायत असंतोष में। स्वर्ग और नरक की धार्मिक अवधारणाओं पर अलग-अलग मान्यताएं हो सकती हैं। मृत्यु के बाद क्या होता है, इसका अंतिम उत्तर किसी मनुष्य के पास नहीं है। लेकिन इतना हमारे अनुभव में स्पष्ट है कि मन की अवस्था हमारे वर्तमान जीवन को स्वर्ग या नरक जैसा बना सकती है। कृतज्ञ व्यक्ति सीमित साधनों में भी आनंद खोज सकता है, जबकि निरंतर शिकायत करने वाला व्यक्ति अपार सुविधाओं के बीच भी बेचैन रह सकता है।

इसलिए आज आवश्यकता केवल अधिक पाने की नहीं, बल्कि प्राप्त चीजों को पहचानने की भी है। हमारे पास जो है, वह शायद किसी और की सबसे बड़ी इच्छा हो। हमारी छोटी-सी सुविधा किसी दूसरे के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि हो सकती है। समाज में वास्तविक सुख तभी बढ़ेगा, जब हम अपनी सुविधाओं के साथ दूसरों की जरूरतों को भी समझेंगे। कृतज्ञता केवल व्यक्तिगत शांति नहीं देती, वह संवेदनशीलता और सेवा की भावना को भी जन्म देती है।

अंततः स्वर्ग की तलाश में पूरी जिंदगी गुजारने से पहले अपने वर्तमान जीवन को देखना चाहिए। शायद स्वर्ग कोई भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि देखने का एक तरीका है। जिस हृदय में शिकायत से अधिक कृतज्ञता है, वहां साधारण जीवन भी असाधारण आनंद बन सकता है। इसलिए आज से अपनी कमियों का हिसाब जरूर रखें, लेकिन अपनी उपलब्धियों और सौभाग्यों का हिसाब भी कीजिए। शिकायतें गिनने के बजाय कृतज्ञता गिनिए। क्योंकि संभव है, जिस स्वर्ग के लिए हम मृत्यु के बाद प्रार्थना करते हैं, उसका दरवाजा हमारे सामने अभी खुला हो—और उसकी चाबी केवल हमारे दृष्टिकोण और कृतज्ञता में हो।

सही रास्ता

लेखकः अशोक कुमार सिंह रिपोर्टर/ मल्टीमीडिया' डायरेक्टर भारतर्थ खबर' (बंगलुरु कर्नाटक)

एक छोटे से गाँव में विवेक नाम का युवक रहता था। वह मेहनती और समझदार था, लेकिन उसे हमेशा लगता था कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कोई ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो उसे सही दिशा दिखाए। वह अक्सर गाँव के बाहर बैठकर सोचता कि आखिर कुछ लोग कठिन परिस्थितियों के बावजूद सफल कैसे हो जाते हैं, जबकि कई लोग अवसर मिलने के बाद भी आगे नहीं बढ़ पाते। एक दिन विवेक गाँव के बुजुर्ग और विद्वान माधव बाबा के पास

पहुँचा। उसने कहा, ह्लबाबा, मैं जीवन में कुछ बड़ा करना चाहता हूँ, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि सही रास्ता कौन-सा है।ह्व माधव बाबा मुस्कुराए और बोले, ह्लअगर सच में रास्ता जानना चाहते हो तो कल सुबह मेरे साथ चलना। अगली सुबह दोनों जंगल की ओर निकल पड़े। कुछ दूर जाने के बाद उन्हें तीन रास्ते दिखाई दिए। पहला रास्ता चौड़ा और सुंदर था। दूसरा रास्ता संकरा और कठिन था, लेकिन उस पर लोगों के पैरों के निशान दिखाई दे रहे थे। तीसरा रास्ता झाड़ियों से ढका हुआ था और लगभग दिखाई ही नहीं देता था। विवेक ने कहा, ह्लबाबा, पहला रास्ता सबसे अच्छा लगता है। इतना चौड़ा और सुंदर रास्ता है, जरूर सही होगा।ह्व बाबा ने कुछ नहीं कहा और उसके साथ उसी रास्ते पर चल पड़े। थोड़ी दूर जाने के बाद रास्ता एक दलदल में जाकर समाप्त हो गया। विवेक परेशान हो गया। बाबा ने पूछा, ह्लरास्ता सुंदर था?ह्व विवेक ने कहा, ह्लहाँ।ह्व बाबा बोले, ह्ललेकिन क्या वह तुम्हें मंजिल तक ले गया?ह्व विवेक के पास कोई उत्तर नहीं था। दोनों वापस लौटे और दूसरे रास्ते पर चलने लगे। रास्ता कठिन था। कहीं पत्थर थे, कहीं चढ़ाई थी और कई जगह उन्हें संभलकर आगे बढ़ना पड़ा। लेकिन कुछ दूर जाने के बाद उन्हें साफ पानी की एक नदी मिली। उसके किनारे हरे-भरे पेड़ थे। विवेक खुश हुआ, लेकिन बाबा ने कहा, ह्लअभी सीख पूरी नहीं हुई है। इसके बाद दोनों तीसरे रास्ते के सामने पहुँचे। विवेक ने कहा, ह्लयह तो रास्ता ही नहीं लगता।ह्व माधव बाबा बोले, ह्लकभी-कभी जीवन के सबसे अच्छे रास्ते शुरूआत में दिखाई नहीं देते। उन्हें खोजने और बनाने के लिए साहस चाहिए। विवेक ने झाड़ियाँ हटाईं और दोनों आगे बढ़े। रास्ता कठिन था, लेकिन कुछ समय बाद वे पहाड़ी की चोटी पर पहुँच गए। वहाँ से पूरा गाँव दिखाई दे रहा था। विवेक की आँखों में आश्चर्य था। बाबा ने पूछा, ह्लअब बताओ, सबसे अच्छा रास्ता कौन-सा था?ह्व विवेक ने कहा, ह्लतीसरा रास्ता, क्योंकि वह कठिन था, लेकिन हमें सबसे ऊँची जगह तक ले गया। माधव बाबा मुस्कुराए और बोले, ह्लयही जीवन की सबसे बड़ी सीख है। जो रास्ता आसान दिखाई देता है, वह हमेशा सही नहीं होता और जो रास्ता कठिन होता है, वह हमेशा गलत नहीं होता। जीवन में रास्ते की कठिनाई से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी दिशा होती है। विवेक ने पूछा, ह्लबाबा, सही दिशा कैसे पहचानी जाए?ह्व बाबा ने कहा, ह्लअपने निर्णय भीड़ को देखकर मत लेना। अपने उद्देश्य को समझो, अपनी क्षमता को पहचानो और निर्णय लेने से पहले उसके परिणामों के बारे में सोचो। अगर कभी गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करो और रास्ता बदलने से मत डरो। उन्होंने आगे कहा, ह्लज्ञान केवल किताबें पढ़ने से नहीं मिलता। ज्ञान अनुभव से मिलता है, प्रश्न पूछने से मिलता है और अपनी गलतियों से सीखने से मिलता है। लेकिन ज्ञान की सबसे बड़ी पहचान तब होती है, जब इंसान अपने ज्ञान का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों की मदद के लिए करता है। उस दिन विवेक गाँव वापस लौटा तो उसके सोचने का तरीका बदल चुका था। पहले वह अवसर का इंतजार करता था, अब वह अवसर खोजने लगा। पहले अपनी असफलता के लिए परिस्थितियों को दोष देता था, अब वह अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लेने लगा। धीरे-धीरे उसने गाँव के बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और जरूरतमंद बच्चों के लिए किताबें जुटाकर एक छोटी-सी पुस्तकालय भी बना दी। कुछ वर्षों बाद वही विवेक गाँव के युवाओं का मार्गदर्शक बन गया। एक दिन एक बच्चा उसके पास आया और बोला, ह्लगुरुजी, मुझे समझ नहीं आता कि बड़ा होकर क्या बनूँ। विवेक मुस्कुराया और बोला, ह्लअभी यह तय करने की जल्दी मत करो कि तुम्हें क्या बनना है। पहले यह समझो कि तुम्हें कैसा इंसान बनना है। ईमानदार, मेहनती, जिम्मेदार और दूसरों के काम आने वाला इंसान बनोगे तो जीवन में सही दिशा अपने आप दिखाई देने लगेगी। बच्चे ने पूछा, ह्लअगर मैंने गलत रास्ता चुन लिया तो?ह्व विवेक ने कहा, ह्लतो वापस लौट आना। गलत रास्ते से लौटना असफलता नहीं है। गलत रास्ता पहचान लेने के बाद भी उसी पर चलते रहना असली असफलता है।ह्व उस दिन विवेक को समझ आया कि माधव बाबा ने उसे केवल एक रास्ता नहीं दिखाया था, बल्कि सोचने का तरीका सिखाया था। यही सच्चे मार्गदर्शन की पहचान है। सीखः जीवन में सफलता केवल तेज चलने से नहीं मिलती, बल्कि सही दिशा में चलने से मिलती है। दूसरों की भीड़ का अनुसरण करने के बजाय अपने विवेक, अनुभव और उद्देश्य के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। सच्चा मार्गदर्शक वह नहीं जो हमारे लिए रास्ता चुन दे, बल्कि वह है जो हमें इतना सक्षम बना दे कि हम स्वयं सही रास्ता चुन सकें।

जयपुर में 4.30 लाख की नकली करेंसी बरामद, कांग्रेस प्रवक्ता के बेटे समेत चार गिरफ्तार

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

जयपुर, 27 अगस्त 2026। जयपुर पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 500 रुपये के 861 नकली नोट बरामद किए गए, जिनका कुल अंकित मूल्य 4 लाख 30 हजार 500 रुपये है। गिरफ्तार आरोपियों में सीकर निवासी साहिल चौधरी भी शामिल है, जिसे कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आरसी चौधरी का बेटा बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक, बजाज नगर थाना पुलिस और कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच स्पेशल टीम (सीएसटी) ने कार्रवाई कर साहिल चौधरी के अलावा अंशुल, प्रियांशु और आकाश को गिरफ्तार किया। इनके पास से नकली नोटों के परिवहन में इस्तेमाल किए जाने का संदेह वाले स्कॉर्पियो और फॉर्च्यूनर वाहन भी जब्त किए गए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 178, 179 और 180 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

बांग्लादेश से जुड़े नेटवर्क की जांच

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, नकली नोटों की आपूर्ति कथित तौर पर रोहतक निवासी अमन राणा से हुई, जिसे इस नेटवर्क का कथित सरगना बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि राणा बांग्लादेश से गिरोह का संचालन कर रहा है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि नकली नोट भारत में किस मार्ग से पहुंचे और जयपुर तक इनकी आपूर्ति किन लोगों के जरिए हुई।

कुछ रिपोर्टों में जांच के हवाले से नकली नोटों के बांग्लादेश से कोलकाता और फिर हरियाणा के रास्ते जयपुर पहुंचने की बात सामने आई है। हालांकि, इस आपूर्ति मार्ग और पूरे नेटवर्क की विस्तृत पुष्टि पुलिस की आगे की जांच से ही होगी।

निकाय चुनाव में खपाने की आशंका

पुलिस के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि नकली नोटों को आगामी नगर निकाय चुनाव के दौरान बाजार में चलाने की तैयारी थी। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि इस कथित योजना में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा आरोपियों ने इससे पहले भी नकली मुद्रा की कोई खेप खपाई थी या नहीं।

जांच में कथित नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसकी सप्लाई चेन की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने संकेत दिया है कि पूछताछ के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां या नकली मुद्रा की बरामदगी हो सकती है।

साहिल चौधरी की गिरफ्तारी पर राजनीतिक प्रतिक्रिया

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता आरसी चौधरी के बेटे साहिल चौधरी का नाम मामले में सामने आने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है। हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी आरोपी की गिरफ्तारी अपने आप में अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है। साहिल चौधरी समेत सभी आरोपियों की भूमिका का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होगा। पुलिस फिलहाल नकली नोटों की सप्लाई चेन, कथित सरगना अमन राणा की भूमिका और चुनाव के दौरान नकली करेंसी खपाने की कथित योजना से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

मंदिर में पद नहीं, विनय जरूरी: मुनि वीरसागर

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। निर्यापक श्रमण पूज्य मुनि श्री 108 वीरसागर महाराज ने बुधवार को बेंगलुरु में आयोजित प्रवचन में जिनालय की पवित्रता, धार्मिक मर्यादा और श्रद्धालुओं के आचरण पर गंभीर आत्ममंथन का संदेश दिया। ह्वक्या मंदिर के अध्यक्ष नरक जाएंगे?ह्व विषय पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, स्वाध्याय, वैराग्य और आत्मशुद्धि का पवित्र केंद्र है। मुनि श्री ने कहा कि जिनालय में प्रवेश करते समय व्यक्ति को पद, प्रतिष्ठा, धन और सामाजिक प्रभाव का अहंकार बाहर छोड़ देना चाहिए। मंदिर अध्यक्ष, पदाधिकारी, दानदाता या सामान्य श्रद्धालु–जिनेंद्र भगवान के समक्ष सभी समान हैं और सभी को विनय, श्रद्धा तथा आत्मकल्याण के भाव से उपस्थित होना चाहिए। दिखावे से नहीं, आंतरिक शुद्धि से पवित्र होता है मंदिर मुनि श्री वीरसागर महाराज ने मंदिर में अनावश्यक आडंबर, बाहरी सजावट और दिखावे की प्रवृत्ति से बचने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिनालय में आने का उद्देश्य स्वयं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकना और आत्मशुद्धि की दिशा में आगे बढ़ना

होना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान के दर्शन के समय ध्यान वस्त्र, रूप-सज्जा अथवा दूसरों की गतिविधियों पर नहीं, बल्कि जिनेंद्र भगवान के वीतराग स्वरूप, गुणों और आत्मकल्याण की भावना पर केंद्रित होना चाहिए। ऐसा आचरण न हो, जिससे दूसरे श्रद्धालुओं के दर्शन रुकें प्रवचन में अंतराय कर्म के संदर्भ में उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं के व्यवहार पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति दर्शन और पूजा के लिए मंदिर आता है, इसलिए किसी के व्यवहार से दूसरे श्रद्धालु के दर्शन या धार्मिक क्रिया में बाधा नहीं आनी चाहिए। विशेष रूप से जिनाभिषेक, मार्जन और अन्य धार्मिक अवसरों पर वेदी के आसपास अनावश्यक भीड़ लगाने अथवा इस तरह खड़े होने से बचना चाहिए, जिससे पीछे खड़े श्रद्धालुओं को दर्शन न मिल सकें। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में सुव्यवस्था केवल सुविधा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुशासन का भी हिस्सा है। मंदिर को निंदा और विकथा का केंद्र न बनाएं मुनि श्री ने मंदिर परिसर में अनावश्यक बातचीत, निंदा, चुगली और सांसारिक चर्चाओं की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई बार व्यक्ति स्वाध्याय के लिए समय नहीं निकाल पाता, लेकिन निंदा और अनावश्यक चर्चाओं में लंबा समय व्यतीत कर देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि मंदिर में होने वाली चर्चा तत्त्वचिंतन और आत्मकल्याण से जुड़ी हो। आस्रव, संवर, निर्जरा, कर्म सिद्धांत, आत्मस्वरूप और वीतरागता जैसे विषयों पर चिंतन करते हुए मंदिर में बिताया गया समय अधिक सार्थक बन सकता है। मंदिर का पद सेवा है, अधिकार नहीं मंदिर अध्यक्षों, पदाधिकारियों और प्रबंधन से जुड़े लोगों को संदेश देते हुए मुनि श्री ने कहा कि मंदिर की जिम्मेदारी मिलना किसी प्रकार का अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा और व्यवस्था की जिम्मेदारी स्वीकार करना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति मंदिर के पद को प्रतिष्ठा, प्रभाव या दूसरों पर अधिकार जताने का माध्यम बना लेता है, तो वह पद की मूल भावना से दूर हो जाता है। भगवान के समक्ष प्रशासनिक पद, धन और सामाजिक प्रभाव का महत्व नहीं, बल्कि विनय, श्रद्धा और आत्मकल्याण की भावना का महत्व है। श्रद्धालुओं को चार बातों का संदेश मुनि श्री ने मंदिर की मर्यादा बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं को चार प्रमुख बातों का ध्यान रखने की प्रेरणा दी– पहला–सादगी और शुचिताः मंदिर में स्वच्छ, सरल और मर्यादित रूप में आएं तथा अनावश्यक दिखावे से बचें। दूसरा–मौन और श्रद्धाः अनावश्यक बातचीत से बचते हुए प्रार्थना, जाप, स्वाध्याय और आत्मचिंतन में समय लगाएं। तीसरा–विकथा से दूरीः निंदा, चुगली, व्यापारिक चर्चाओं, व्यक्तिगत विवाद और अनावश्यक आलोचना से मंदिर परिसर को दूर रखें। चौथा–दूसरों के दर्शन का सम्मानः स्वयं दर्शन करते समय यह ध्यान रखें कि हमारे कारण किसी अन्य श्रद्धालु के दर्शन या धार्मिक क्रिया में बाधा न आए। मंदिर की पवित्रता सभी की सामूहिक जिम्मेदारी मुनि श्री वीरसागर महाराज ने स्पष्ट किया कि जिनालय की मर्यादा बनाए रखना केवल मंदिर समिति या पदाधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक श्रद्धालु का व्यवहार मंदिर के वातावरण को प्रभावित करता है। इसलिए मंदिर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आत्ममंथन करना चाहिए कि वह जिनालय में आत्मकल्याण के लिए आया है या अपनी सांसारिक पहचान और चर्चाओं को साथ लेकर। उन्होंने श्रद्धालुओं से मंदिर को केवल दर्शन का स्थान न मानकर आत्मपरिवर्तन का अवसर बनाने का आह्वान किया। जिनेंद्र भगवान के वीतराग गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करने और मंदिर से लौटते समय अपने भीतर अधिक विनय, संयम और शुद्धता लेकर जाने की प्रेरणा दी। प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को जिनालय के वातावरण को शांत, पवित्र और आध्यात्मिक बनाए रखने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पावन परंपरा के प्रति श्रद्धा और विनय के भाव के साथ हुआ।

जिनवाणी भव्य जीवों के कल्याण का मार्ग

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 26 अगस्त 2026। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास के लिए विराजित प. पू. साध्वी श्री प्रियश्रद्धांजना श्रीजी म. सा. ने ध्यान शतक ग्रंथ की विवेचना करते हुए कहा कि परमात्मा की वाणी भव्य जीवों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रवाहित हुई है। उन्होंने कहा कि लगभग 2600 वर्ष बीत जाने के बावजूद जिनवाणी की प्रासंगिकता और महत्ता आज भी बनी हुई है। साध्वीश्री ने कहा कि परमात्मा ने केवलज्ञान की प्राप्ति से निर्वाण तक लगभग 30 वर्षों तक सहज और सुगम वाणी के माध्यम से जीवों को धर्म का मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि जिनवाणी की सरलता के कारण ही सामान्य व्यक्ति भी उसके संदेश को समझकर अपने जीवन में आत्मसात कर सकता है।

उन्होंने प्रवचन में पद, प्रतिष्ठा, धन, परिवार और मोह को मनुष्य के लिए दुर्ध्यान तथा अनाचार की ओर ले जाने वाले प्रमुख कारणों में बताया। उनके अनुसार संसार के प्रति अत्यधिक आसक्ति व्यक्ति के विवेक को प्रभावित कर सकती है और ऐसी स्थिति में साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका सहित कोई भी व्यक्ति अनाचार की ओर प्रवृत्त हो सकता है।

साध्वी श्री ने दुर्ध्यान को किंपाक फल के समान बताते हुए कहा कि जिस प्रकार किंपाक फल प्रारंभ में मीठा प्रतीत होता है, लेकिन उसके परिणाम घातक हो सकते हैं, उसी प्रकार अनाचार भी तात्कालिक सुखद प्रतीत हो सकता है, लेकिन कर्मों के उदय के समय उसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं।

उन्होंने शास्त्रों में वर्णित ईकाई ठाठोड़ के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि भयंकर अनाचार और रौद्र दुर्ध्यान के कारण जीव को दीर्घकाल तक दुखद परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को आत्मनिरीक्षण और अपने भावों की शुद्धि पर विशेष ध्यान देने का संदेश दिया। साध्वीश्री ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति से क्रिया के स्तर पर अनाचार हो जाए तो उसे अपने भावों की आलोचना और आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मशुद्धि के लिए जागरूकता, संयम और तपस्या महत्वपूर्ण साधन हैं।

नौ उपवास के पच्चक्खाण तपस्या की श्रृंखला में साध्वीश्री ने नौ उपवास के पच्चक्खाण अपने मुखारविंद से प्रदान किए। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से तपस्वी की सुखसाता पूछी गई तथा उनका बहुमान और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने साध्वीश्री के प्रवचन का श्रवण करते हुए आत्मचिंतन, संयम और जिनवाणी के संदेश को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

चामुंडेश्वरी देवी उत्सव में आस्था संग सेवा का संदेश

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। सुब्बणा गार्डन के नागरिकों की ओर से चामुंडेश्वरी देवी उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने शिरकत की। उन्होंने चामुंडेश्वरी देवी के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहल

करते हुए जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक्स और स्कूल बैग वितरित किए गए।

कार्यक्रम के आयोजक रामे गौड़ा ने महेंद्र मुणोत का सम्मान किया। इस दौरान धार्मिक आयोजन के साथ बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की पहल ने कार्यक्रम को सामाजिक संदेश से भी जोड़ा। आयोजकों के अनुसार, ऐसे आयोजनों का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ समाज में सेवा, सहयोग और शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह की सामाजिक गतिविधियों को जारी रखने की बात कही।

लालबाग बचाने की मुहिम तेज, टनल रोड के खिलाफ नागरिक लामबंद

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। बेंगलुरु में प्रस्तावित टनल रोड परियोजना को लेकर पर्यावरण संरक्षण और शहर के हरित क्षेत्रों को बचाने की मांग तेज हो गई है। पूर्व मुख्य सचिव श्री रवींद्र सिंह, पूर्व पुलिस आयुक्त श्री भास्कर राव और पर्यावरणविद् श्री येलप्पा रेड्डी समेत कई प्रमुख नागरिकों ने परियोजना के पर्यावरणीय और सार्वजनिक हित से जुड़े पहलुओं पर सवाल उठाए हैं।

26 अगस्त को बेंगलुरु दक्षिण के सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत से लोक भवन में मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मुख्य सचिव श्री रवींद्र, पूर्व पुलिस आयुक्त श्री भास्कर राव और पर्यावरणविद् श्री येलप्पा रेड्डी भी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने टनल रोड परियोजना और लालबाग सहित शहर के हरित क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंताएं सामने रखीं।

नागरिक समूहों का आरोप है कि प्रस्तावित परियोजना के लिए लालबाग क्षेत्र की करीब छह एकड़ भूमि प्रभावित होने की आशंका है। उनका कहना है कि शहर के

मौजूदा यातायात संकट का स्थायी समाधान केवल सड़क और सुरंगों के विस्तार से नहीं होगा। इसके बजाय सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने तथा निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने की जरूरत है। पर्यावरणविदों ने यह भी तर्क दिया है कि लालबाग जैसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण हरित क्षेत्र केवल मनोरंजन स्थल नहीं, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उनका कहना है कि विकास परियोजनाओं में पर्यावरणीय प्रभाव, संवैधानिक दायित्व और सार्वजनिक हित का संतुलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इसी मुद्दे को लेकर नागरिकों ने 30 अगस्त को सुबह 7:30 बजे लालबाग में ह्यसी वॉकह्ण के आयोजन की अपील की है। आयोजकों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य राजनीतिक दलों से अलग रहकर नागरिकों को शहर के हरित क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एकजुट करना है। लोगों से लालबाग और बेंगलुरु के अन्य ग्रीन स्पेस के संरक्षण की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने का आग्रह किया गया है। नागरिकों की ओर से मुख्यमंत्री से परियोजना की समीक्षा करने और लालबाग की हरित संपदा को सुरक्षित रखने की मांग की गई है। हालांकि, टनल रोड परियोजना के पक्ष और विरोध से जुड़े सभी दावों पर अंतिम निष्कर्ष परियोजना की आधिकारिक रिपोर्ट, पर्यावरणीय आकलन और सरकार के संबंधित निर्णयों के आधार पर ही निकाला जा सकता है।

बेंगलुरु में 46.88 लाख वोटर जांच के घेरे में

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। कर्नाटक की राजधानी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क़) के तहत सामने आए आंकड़ों ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। ड्राफ्ट मतदाता सूची में करीब 46.88 लाख मतदाताओं को अरऊ्रश्रेणी में रखा गया है। हालांकि, इसे मतदाता सूची से इतने नामों के अंतिम रूप से हटाए जाने के तौर पर देखना अभी उचित नहीं होगा। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा है और संबंधित मतदाताओं को अपना पक्ष रखने तथा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। 56.99 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 16 जून को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में बेंगलुरु में कुल 1,03,88,363 मतदाता दर्ज थे। रक्क़प्रक्रिया के बाद तैयार ड्राफ्ट सूची में 56,99,660 मतदाताओं को शामिल किया गया है। इनमें 27,69,866 पुरुष, 29,29,092 महिलाएं तथा 702 अन्य एवं ट्रांसजेंडर मतदाता बताए गए हैं।

वहीं 46,88,703 मतदाताओं को अरऊ्रश्रेणी में रखा गया है। अरऊ्रका अर्थ अनुपस्थित (अ्रील्ल३), स्थानांतरित (ह्रँ३ी), मृत (ँीं) और दोहरे नाम (ऊ४स्र्'ूि३ी) वाले मतदाताओं से है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अरऊ्रश्रेणी में नाम आने का अर्थ मताधिकार का स्वतः समाप्त होना नहीं है। जिन मामलों में सत्यापन आवश्यक है, संबंधित मतदाताओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना पक्ष रखने और जरूरी दस्तावेज जमा करने का अवसर मिलेगा।

बेंगलुरु में इतना बड़ा आंकड़ा क्यों?

बेंगलुरु देश के सबसे तेजी से विकसित होते महानगरों में शामिल है। रोजगार और कारोबार के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग यहां आते-जाते रहते हैं। कई लोग नौकरी या व्यवसाय बदलने के बाद दूसरे शहरों में चले जाते हैं। ऐसी स्थिति में पुराने पते पर दर्ज नाम, स्थानांतरित मतदाता, दो स्थानों पर दर्ज नाम अथवा मृत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में बने रहने की संभावना रहती है।

रक्क़का उद्देश्य इसी प्रकार की प्रविष्टियों की पहचान कर मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना है। बेंगलुरु में पहले भी मतदाता सूची की शुद्धता और पुनरीक्षण को लेकर चर्चा होती रही है।

भाजपा-कांग्रेस के लिए अहम शहर

मतदाता सूची में इतने बड़े स्तर पर सत्यापन की प्रक्रिया ने स्वाभाविक रूप से राजनीतिक चर्चा को तेज कर दिया है। बेंगलुरु को भाजपा का मजबूत राजनीतिक आधार माना जाता है। मौजूदा राजनीतिक स्थिति में शहर की चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा के सांसद हैं, जबकि 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 15 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं।

ऐसे में यदि सत्यापन के बाद बड़ी संख्या में नाम अंतिम मतदाता सूची से बाहर रहते हैं तो इसका चुनावी प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन यह निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगा कि इसका लाभ निश्चित रूप से कांग्रेस या किसी अन्य दल को मिलेगा। किस पार्टी के कितने समर्थक, आंकड़ा स्पष्ट नहीं

राजनीतिक प्रभाव का आकलन करने में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अरऊ्रश्रेणी में शामिल मतदाताओं का पार्टीवार विवरण उपलब्ध नहीं है। यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें कितने मतदाता भाजपा समर्थक हैं, कितने कांग्रेस समर्थक हैं अथवा कितने मतदाता किसी अन्य राजनीतिक दल से जुड़े हैं। इसलिए केवल 46.88 लाख के आंकड़े के आधार पर किसी एक राजनीतिक दल के संभावित नुकसान या दूसरे दल के लाभ का अनुमान लगाना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनावी असर अंतिम मतदाता सूची और सत्यापन के बाद सामने आने वाली स्थिति पर निर्भर करेगा।

किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं

मतदाता सूची के पुनरीक्षण को किसी विशेष धार्मिक या सामाजिक समुदाय से जोड़कर देखना भी उचित नहीं होगा। अरऊ्र श्रेणी में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे नामों से संबंधित प्रविष्टियां शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी में ऐसा कोई आधार सामने नहीं आया है जिससे यह कहा जा सके कि किसी एक समुदाय को लक्षित कर नामों को इस श्रेणी में रखा गया है।

असली तस्वीर अंतिम सूची के बाद

बेंगलुरु में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का राजनीतिक महत्व जरूर है, लेकिन फिलहाल इसे अंतिम चुनावी परिणामों से जोड़ना जल्दबाजी होगी। यदि सत्यापन प्रक्रिया के बाद बड़ी संख्या में नाम पुनः मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं तो मौजूदा राजनीतिक समीकरण पर प्रभाव सीमित रह सकता है। इसके विपरीत, यदि बड़ी संख्या में प्रविष्टियां अंतिम सूची से बाहर रहती हैं तो बेंगलुरु के चुनावी गणित पर असर पड़ना संभव है। ऐसे में भाजपा के मजबूत जनाधार वाले क्षेत्रों पर संभावित प्रभाव को लेकर राजनीतिक दलों की निगाहें स्वाभाविक रूप से इस प्रक्रिया पर रहेंगी। फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यही है कि 46.88 लाख नामों का अरऊ्रश्रेणी में होना अंतिम रूप से मतदाता सूची से नाम कटने के बराबर नहीं है। अंतिम स्थिति सत्यापन, दावे-आपत्तियों और निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

वाल्मीकि घोटाले पर विजयेंद्र का बड़ा हमला

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। कर्नाटक के वाल्मीकि विकास निगम से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में मंत्री बी. नागेंद्र केवल ह्लछोटी मछलीह्व हैं, जबकि इसके पीछे बड़ी मछलियों और प्रभावशाली लोगों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

मल्लेश्वरम स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान विजयेंद्र ने कहा कि घोटाले की निष्पक्ष जांच के बाद यदि बी. नागेंद्र बेगुनाह साबित होते हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का उद्देश्य किसी व्यक्ति को निशाना बनाना नहीं, बल्कि कथित घोटाले में प्रभावित समुदाय को न्याय दिलाना है। 187 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का मुद्दा उठाया

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि दलितों के विकास के लिए निर्धारित धनराशि का कथित तौर पर दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने कहा कि करीब 187 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और धनराशि की वसूली कर उसका उपयोग संबंधित समुदाय के विकास के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने वाल्मीकि विकास निगम के अधिकारी चंद्रशेखर की आत्महत्या का भी उल्लेख किया और कहा कि मामले की जांच में सामने आए तथ्यों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विजयेंद्र ने दावा किया कि चंद्रशेखर के कथित डेथ नोट में तत्कालीन मंत्री बी. नागेंद्र के मौखिक निर्देश पर धनराशि तेलंगाना स्थानांतरित किए जाने का उल्लेख था। हालांकि, इन आरोपों का अंतिम सत्य जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही निर्धारित होगा। नागेंद्र के इस्तीफे की मांग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बी. नागेंद्र के तत्काल इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार कथित भ्रष्टाचार के मामलों पर गंभीरता से कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा के भीतर और बाहर इस मुद्दे को उठाती रहेगी।

विजयेंद्र ने सरकार पर सत्ता के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के पास सरकार पर दबाव बनाने और विपक्ष की भूमिका निभाने की पूरी ताकत है। उन्होंने भाजपा-जेडीएस द्वारा दलितों के अधिकारों को लेकर उठाई जा रही आवाज को उचित बताते हुए कहा कि उनके आंदोलन को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उत्तर कर्नाटक और अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की मांग विजयेंद्र ने कहा कि विधानसभा सत्र में वाल्मीकि निगम मामले के अलावा उत्तर कर्नाटक की समस्याओं, सूखे, सिंचाई परियोजनाओं और कर्नाटक लोक सेवा आयोग (ङढरउ) से जुड़े कथित अनियमितता के मामलों पर भी चर्चा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा तब तक संघर्ष जारी रखेगी, जब तक कथित घोटाले में प्रभावित लोगों को न्याय नहीं मिल जाता। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का उद्देश्य किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे मामले की सच्चाई सामने लाना है। विधान परिषद चुनावों की रणनीति पर भी मंथन

विजयेंद्र ने बताया कि भाजपा ने अपने सभी विधायकों की विशेष बैठक कर आगामी विधान परिषद चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्व स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और उत्तर-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले चुनावों को लेकर संगठनात्मक रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी उम्मीदवारों और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर इन सीटों पर जीत हासिल करने की दिशा में काम करेगी।

केरल की काजिया लिज मेजो बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया 2026, नवंबर में भारत का करेंगी प्रतिनिधित्व

भारतार्थ खबर संवाददाता अशोक कुमार सिंह **Bhaarataarth.com**

केरल, केरल के मावेलिक्कारा की रहने वाली 19 वर्षीय काजिया लिज मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब अपने नाम कर देश का गौरव बढ़ाया है। जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में काजिया ने अन्य प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित ताज हासिल किया। काजिया लिज मेजो कानून की छात्रा होने के साथ-साथ मॉडल और क्लासिकल डांसर भी हैं। इससे पहले वह वर्ष 2025 में मिस टीन इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर फर्स्ट रनर-अप रह चुकी हैं। वर्ष 2026 में उन्होंने मिस यूनिवर्स केरल का खिताब भी अपने नाम किया था। राष्ट्रीय स्तर पर मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज जीतने के बाद अब काजिया के सामने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की चुनौती होगी। वह नवंबर 2026 में प्यूर्टो रिको में आयोजित होने वाली 75वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। काजिया की सफलता को केरल के साथ-साथ पूरे देश के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है। कानून की पढ़ाई, मॉडलिंग और शास्त्रीय नृत्य के साथ उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच तक अपनी जगह बनाई है।

उनकी यह उपलब्धि युवा प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणा मानी जा रही है कि शिक्षा और अपनी कला के साथ निरंतर मेहनत एवं आत्मविश्वास के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया जा सकता है।

महापौर के रक्षाबंधन कार्यक्रम में भारी भीड़ से फैली अव्यवस्था, कई महिलाएं और बच्चे हुए बेहोश

बरेली। बरेली में बृहस्पतिवार को महापौर उमेश गौतम और पार्थ गौतम फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में भारी अव्यवस्था फैल गई। साड़ियां बांटे जाने से अत्यधिक भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे घुटन के कारण कई महिलाएं और बच्चे बेहोश हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया। सड़कों पर लंबा जाम भी लग गया। बरेली क्लब में बृहस्पतिवार को आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में भारी अव्यवस्था फैल गई। महापौर उमेश गौतम और पार्थ गौतम फाउंडेशन के अध्यक्ष पार्थ गौतम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं की अत्यधिक भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ में घुटन के कारण कई महिलाएं और बच्चे बेहोश हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। कार्यक्रम के मंच से लगातार बच्चों के गायब होने की घोषणाएं की जा रही थीं। महिलाओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम स्थल तक लाने के लिए बसें थीं, लेकिन घर वापसी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। भीड़ बढ़ने के कारण बरेली क्लब जाने वाली सभी सड़कों पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर सीओ प्रथम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में महिलाओं को साड़ियां बांटी जा रही थीं, जिससे भीड़ और बढ़ गई।

शिवकुमार ने कांग्रेस नेताओं संग विकास पर की बैठक

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 27 अगस्त 2026। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु स्थित मुख्यमंत्री आवास कार्यालय ह्यकृष्णाह्ण में बेंगलुरु अर्बन, बेंगलुरु रूरल और बेंगलुरु साउथ जिलों से जुड़े कांग्रेस विधायकों तथा पिछले विधानसभा चुनाव में पराजित उम्मीदवारों के साथ ह्यइंटीग्रेटेड डेवलपमेंटह्ण को लेकर बैठक की।

बैठक में संबंधित क्षेत्रों के विकास कार्यों, स्थानीय स्तर की प्राथमिकताओं और समन्वित विकास को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, भैरती सुरेश और

रिजवान अरशद सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में पराजित हुए कई कांग्रेस उम्मीदवारों ने भी हिस्सा लिया। पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ हुई इस बैठक को बेंगलुरु महानगर क्षेत्र तथा आसपास के जिलों में विकास संबंधी मुद्दों पर समन्वय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों और चुनाव में उम्मीदवार रहे नेताओं से अपने-अपने क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर चर्चा की। बैठक में स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देने तथा संबंधित क्षेत्रों के मुद्दों को बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंत्रियों के साथ पार्टी के कई विधायक और वर्ष 2023 के चुनाव में हारने वाले उम्मीदवार उपस्थित रहे।

कूबाजी महाराज की विरासत संजोने की पहल

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

खिनावड़ी (जैतारण), 27 अगस्त 2026। प्रजापत (कुम्हार) समाज के आराध्य और भक्त शिरोमणि श्री 1008 केवलरामजी (कूबाजी) महाराज की जीवनगाथा, धार्मिक परंपरा और वंशावली को संरक्षित करने की दिशा में समाजबंधुओं की ओर से प्रयास किया जा रहा है। उपलब्ध स्थानीय एवं पारंपरिक विवरणों के अनुसार खिनावड़ी गांव को उनके जन्मस्थल के रूप में बताया जाता है।

समाज द्वारा संकलित जानकारी में श्री कूबाजी महाराज का संबंध हेमा जी (दादाजी) और नेहा जी (पिताजी) की वंश परंपरा से बताया गया है। उनके जीवन से जुड़े विभिन्न स्थानों में कुडलगढ़, पाटण, रतलाम, इंदौर, उज्जैन, जयपुर, चित्तौड़, अजमेर और खिनावड़ी का उल्लेख मिलता है। खिनावड़ी में मंदिर आस्था का केंद्र

उपलब्ध विवरण के अनुसार खिनावड़ी में श्री कूबाजी महाराज से संबंधित मंदिर का निर्माण संवत 2005 में रामो, गुला और पुना परिवार द्वारा

गया था। इसी अवधि में मंदिर की प्रतिष्ठा किए जाने का भी उल्लेख मिलता है। यह धार्मिक स्थल आज भी समाजबंधुओं के लिए श्रद्धा और आस्था का केंद्र माना जाता है।

झींटड़ा में समाधि का उल्लेख संकलित ऐतिहासिक विवरणों में श्री केवलरामजी (कूबाजी) महाराज की समाधि गांव झींटड़ा में संवत 1735 के आसपास होने का उल्लेख किया गया है। परंपरागत जानकारी के अनुसार उन्होंने जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंहजी के शासनकाल में समाधि ली थी।

इन ऐतिहासिक दावों और तिथियों का स्वतंत्र अभिलेखीय सत्यापन उपलब्ध नहीं होने के कारण इन्हें स्थानीय एवं पारंपरिक विवरण के रूप में देखा जाना चाहिए। इनके दस्तावेजी प्रमाणों का संरक्षण और सत्यापन समाज की ऐतिहासिक विरासत को और मजबूत कर सकता है। वंश परंपरा को सुरक्षित रखने का प्रयास

समाजबंधुओं द्वारा उपलब्ध कराई गई वंशावली में हेमा जी के बाद नेहा जी, उनके बाद केवलरामजी कूबाजी महाराज, फिर आशा जी, भीकाजी, रामोजी, गुलाजी और धनाजी का उल्लेख किया गया है। आगे धनाजी के वंश में कन्हैयालाल जी प्रजापत, कुम्हार गोत्र कुंडलवाल का उल्लेख मिलता है।

वर्तमान उत्तराधिकार संबंधी विवरण में धनाजी के सुपुत्र जवरीलाल, घेवरराम के सुपुत्र जीतेन्द्र, अशोक, महेंद्र और दिनेश तथा विनोद के सुपुत्र कुशाल, पुनीत, दक्ष, मयंक, हितेश, गौरव और नारायण के नाम बताए गए हैं। इसी क्रम में कन्हैयालाल जी के सुपुत्र जगदीश कुमार, उनके सुपुत्र ललित कुमार और उनके सुपुत्र क्रियांश का भी उल्लेख किया गया है। वंशावली में दिए गए नामों को समाज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर प्रस्तुत किया जा रहा है। आधिकारिक वंशावली प्रमाण-पत्र अथवा अभिलेख उपलब्ध होने पर इसमें आवश्यक संशोधन किया जा सकता है।

नई पीढ़ी के लिए विरासत का संदेश

श्री केवलरामजी महाराज की भक्ति, धार्मिक आस्था और सामाजिक परंपराओं से जुड़ी स्मृतियां प्रजापत समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत मानी जाती हैं। समाजबंधुओं का कहना है कि उनके जीवन से जुड़े मंदिर, समाधि स्थल, धार्मिक परंपराएं और वंशावली केवल अतीत की जानकारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने वाली विरासत हैं। समाज की ओर से इस ऐतिहासिक और धार्मिक सामग्री को व्यवस्थित रूप से संकलित करने, प्रमाणित स्रोतों से उसका सत्यापन कराने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इससे भक्त शिरोमणि श्री 1008 केवलरामजी (कूबाजी) महाराज से जुड़ी परंपराओं को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

जवानों की कलाई पर सजी राखी, स्कूली बच्चियों ने कहा- आप देश की धड़कन हैं

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

आरएसपुरा, 27 अगस्त 2026। रक्षाबंधन से पहले जम्मू-कश्मीर के आरएसपुरा में देश की सीमाओं की सुरक्षा में तैनात जवानों के सम्मान में भावुक और देशभक्ति से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराजा हरि सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आरएसपुरा के विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार की गई राखियां सैनिकों की कलाइयों पर बांधीं और उनकी लंबी उम्र तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मंगलवार को विद्यालय के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन पर्व को राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। बच्चों ने रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां तैयार कीं और उन्हें लेकर सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों के बीच पहुंचे।

सैनिकों को राखी बांधकर जताया आभार

विद्यार्थियों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधते हुए देश की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। बच्चों ने कहा कि सैनिकों का साहस, समर्पण और सेवा देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

जवानों ने भी बच्चों का आत्मीयता से स्वागत किया और उनके इस भावपूर्ण प्रयास की सराहना की। इस दौरान सैनिकों और विद्यार्थियों के बीच भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का भाव देखने को मिला। देशप्रेम की भावना मजबूत करने की पहल

विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कौशिक ने कहा कि विद्यार्थियों और जवानों के बीच इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में देशप्रेम, राष्ट्रीय सेवा और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के पर्व को केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित न रखते हुए राष्ट्र की रक्षा करने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश भी दिया।

MP कैबिनेट के बड़े फैसले, 10,630 करोड़ की योजनाओं को मंजूरी

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

भोपाल, 27 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को भोपाल में हुई मध्यप्रदेश कैबिनेट की बैठक में बुनियादी ढांचे, सड़क, स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरकार के अनुसार बैठक में करीब 10,630 करोड़ रुपये के विकास कार्यों और योजनाओं को स्वीकृति मिली। 12 प्रमुख मार्गों के लिए ?4,600 करोड़ की सरकारी गारंटी कैबिनेट ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को नाबार्ड की नाबार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट असिस्टेंस (ठक्ळअ) योजना के माध्यम से 12 प्रमुख मार्गों के विकास के लिए 4,600 करोड़ रुपये का ऋण लेने की सरकारी गारंटी देने को मंजूरी दी। इनमें भोपाल-विदिशा, खलघाट-मनावर-मांगोद, मंदसौर-सीतामऊ, पूर्वी भोपाल बायपास, नीमच-मनासा-रामपुरा और इंदौर-देपालपुर समेत अन्य प्रमुख सड़कें शामिल हैं। राज्य की 22 प्रमुख सड़कों का स्वामित्व नाममात्र मूल्य पर एमपीआरडीसी को हस्तांतरित किए जाने का भी निर्णय लिया गया है। ऋण और ब्याज की भरपाई टोल तथा अन्य स्रोतों से होने वाली आय से किए जाने का प्रस्ताव है। परियोजनाओं के लिए आवश्यकता के अनुसार राशि जारी करने के लिए जस्ट इन टाइम व्यवस्था अपनाई जाएगी।

सिवनी-बालाघाट सड़क के लिए ?3,960 करोड़ कैबिनेट ने सिवनी-बालाघाट के 91.64 किलोमीटर लंबे मार्ग को चार लेन और पेव्ड शोल्डर के साथ विकसित करने के लिए 3,960 करोड़ 9 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर किया जाएगा। इसके तहत निर्माण लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार और शेष राशि 15 वर्षों तक छमाही एन्युटी के रूप में राज्य बजट से उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकार के अनुसार सड़क परियोजना से करीब 8 से 10 लाख लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा कान्हा-पेंच पर्यटन क्षेत्र, खनिज एवं वन उत्पादों के परिवहन और क्षेत्रीय व्यापार को भी लाभ मिलने की संभावना है। सामाजिक कल्याण की 19 योजनाओं को ?1,740 करोड़

गरीब, कमजोर वर्गों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, नशा पीड़ितों और ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़ी 19 योजनाओं को वर्ष 2026 से 2031 तक जारी रखने के लिए 1,740 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन योजनाओं में पेंशन, परिवार सहायता, कन्या विवाह-निकाह, कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने, प्रशिक्षण तथा वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित विभिन्न योजनाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य शिक्षा और साइबर सुरक्षा पर जोर

उज्जैन स्थित मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के लिए 244 पदों की स्वीकृति दी गई है। इससे विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने का रास्ता साफ होगा। राज्य साइबर सुरक्षा व्यवस्था और एमपी-सीईआरटी के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 80 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसमें तकनीकी पदों के सृजन और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षुओं की व्यवस्था का प्रावधान भी शामिल है। भूमि खरीद नीति में बदलाव कैबिनेट ने आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति में संशोधन को भी मंजूरी दी। ग्रामीण कृषि भूमि के संबंध में पुनर्वास अनुदान से जुड़े प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं।

इसके अलावा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन तथा अन्य कार्यालयों के संचालन और विस्तार के लिए 250 करोड़ 67 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है।

खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को प्रोत्साहन राशि

कैबिनेट ने महिला टी-20 विश्व कप क्रिकेट 2025 (ब्लाइंड) में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली तीन खिलाड़ियों और तीन प्रशिक्षकों को कुल 78 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की कार्योत्तर स्वीकृति भी प्रदान की। बैठक में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई के लिए अधिकृत करने संबंधी अधिसूचना में संशोधन को भी मंजूरी दी गई। सरकार के अनुसार कैबिनेट के इन फैसलों का उद्देश्य सड़क और परिवहन ढांचे को मजबूत करने के साथ सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और साइबर सुरक्षा जैसी प्राथमिकताओं को गति देना है।

प्रशांत किशोर का तंज- अगली कैबिनेट में सम्राट भी दें 10वीं परीक्षा

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com

पटना, 27 अगस्त 2026। बिहार की राजनीति में शिक्षा को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के उस बयान पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को बिहार सरकार के स्कूल में दाखिला लेकर 10वीं पास करने के बाद सरकार को सुझाव देने की बात कही थी। प्रशांत किशोर ने मंगलवार को पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान शिक्षा मंत्री के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि यदि तेजस्वी यादव को 10वीं की परीक्षा पास करने की सलाह दी गई है, तो अगली कैबिनेट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी तेजस्वी यादव के साथ 10वीं की परीक्षा देने का सुझाव दिया जाना चाहिए।

सम्राट और तेजस्वी दोनों 10वीं पास करें

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता और पढ़े-लिखे युवाओं की ओर से उनका आग्रह है कि सम्राट चौधरी और तेजस्वी यादव दोनों अगली बार 10वीं की परीक्षा देकर पास हों। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के बीच यह भरोसा बनेगा कि प्रदेश के नेता भी अपने दम पर मैट्रिक की परीक्षा पास कर सकते हैं। उनका यह बयान उस समय सामने आया जब जन सुराज की ओर से सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए जीवन समर्पित करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल की 108वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पटना के दरोगा प्रसाद राय पथ स्थित कम्युनिटी हॉल में हुए कार्यक्रम में प्रशांत किशोर भी शामिल हुए।

किसानों के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा

प्रशांत किशोर ने बिहार में किसानों के आंदोलन और प्रस्तावित सैटेलाइट सिटी के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सैटेलाइट सिटी के नाम पर बिहार के मध्यम किसानों की जमीन को कम कीमत पर बड़े उद्योगपतियों और बिल्डरों को उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार जिस दिन से जमीन अधिग्रहण से जुड़ा कानून लेकर आई है, उसी समय से जन सुराज इसका विरोध कर रहा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार के पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पर्याप्त धन नहीं है तो इतनी बड़ी मात्रा में जमीन का अधिग्रहण कैसे किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार जमीन का अधिग्रहण करती है तो किसानों और अन्य भूमिधारकों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा देना होगा। शिक्षा और जमीन के मुद्दे पर सियासत तेज

बिहार में विधानसभा चुनावी राजनीति के बीच शिक्षा व्यवस्था, नेताओं की शैक्षणिक योग्यता और किसानों की जमीन जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी तेज होती दिखाई दे रही है। शिक्षा मंत्री के बयान पर तेजस्वी यादव की ओर से इस खबर के आधार पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जबकि प्रशांत किशोर ने इसे राजनीतिक व्यंग्य के जरिए जवाब दिया। राजनीतिक बयानबाजी के बीच शिक्षा और किसानों से जुड़े वास्तविक मुद्दे एक बार फिर बिहार की सियासत के केंद्र में आ गए हैं।

60 वर्ष महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

लखनऊ, 27 अगस्त 2026। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में

ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजनाह्न सहित 24 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। योजना के तहत पात्र वरिष्ठ महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (वढरफ्ळउ) की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। सरकार के अनुसार इस योजना से प्रदेश की एक करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है। सुविधा का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेजों को मान्य किए जाने की जानकारी दी गई है। योजना की विस्तृत कार्यप्रणाली और लागू होने की प्रक्रिया संबंधित विभाग की ओर से स्पष्ट की जाएगी।

रक्षाबंधन से पहले महिलाओं के लिए घोषणा

कैबिनेट का यह निर्णय रक्षाबंधन से पहले आया है। सरकार की ओर से इसे वरिष्ठ महिलाओं के लिए सामाजिक सुविधा और सम्मान से जुड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। मुफ्त बस यात्रा से बुजुर्ग महिलाओं को प्रदेश के भीतर आवागमन में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। गंगा एक्सप्रेसवे हरिद्वार तक बढ़ाने को मंजूरी

कैबिनेट ने गंगा एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित विस्तार को भी मंजूरी दी है। योजना के तहत एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक ले जाने की तैयारी है। परियोजना की अनुमानित लागत 10,761 करोड़ रुपये बताई गई है। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे छह लेन का होगा और भविष्य में इसे आठ लेन तक विस्तारित करने की क्षमता रखी जाएगी। इससे बिजनौर और हरिद्वार के बीच संपर्क बेहतर होने के साथ प्रयागराज और हरिद्वार जैसे प्रमुख धार्मिक नगरों के बीच तेज सड़क संपर्क विकसित होने की उम्मीद है। परियोजना के लिए केंद्र सरकार की वित्तीय भागीदारी प्रस्तावित नहीं बताई गई है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (उढफ) तैयार करने सहित आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकार का मानना है कि बेहतर सड़क संपर्क से व्यापार, निवेश, उद्योग और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिल सकता है।

सुल्तानपुर में औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के निकट इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (क्टछउ) विकसित करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर योजना के तहत प्रस्तावित इस परियोजना की अनुमानित लागत 272.25 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके जरिए क्षेत्र में औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा विनिर्माण इकाइयों और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की परिवहन गलियारों से कनेक्टिविटी बेहतर करने का लक्ष्य है। सरकार को उम्मीद है कि परियोजना से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के साथ रोजगार और आर्थिक अवसरों में भी वृद्धि होगी।

नव नियुक्त विकास अधिकारी तुलछाराम चौधरी का अभिनंदन

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

समदड़ी। 27 अगस्त 2026। समदड़ी क्षेत्र में विकास अधिकारी के पद पर नव नियुक्त होकर पदभार ग्रहण करने वाले तुलछारामजी चौधरी का क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की ओर से आत्मीय अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

अभिनंदन कार्यक्रम में किशोर पटेल, गोलियां चौधरियान, पेमारामजी ठों समदड़ी, राजेंद्रजी पोण समदड़ी, आशारामजी सीह समदड़ी, नृसिंहजी बग होतरडा तथा महेंद्र

पटेल हुबली सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उपस्थित नागरिकों ने तुलछारामजी चौधरी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व एवं कार्यकुशलता से समदड़ी क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र की प्रगति और जनहित से जुड़े कार्यों में सकारात्मक पहल की उम्मीद भी जताई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्यजनों का आभार व्यक्त किया गया। सभी ने चौधरी के उज्ज्वल कार्यकाल और समदड़ी क्षेत्र के निरंतर विकास की मंगलकामना की। समाचार प्रेषकः किशोर पटेल गोलियां चौधरियान, हुबली।

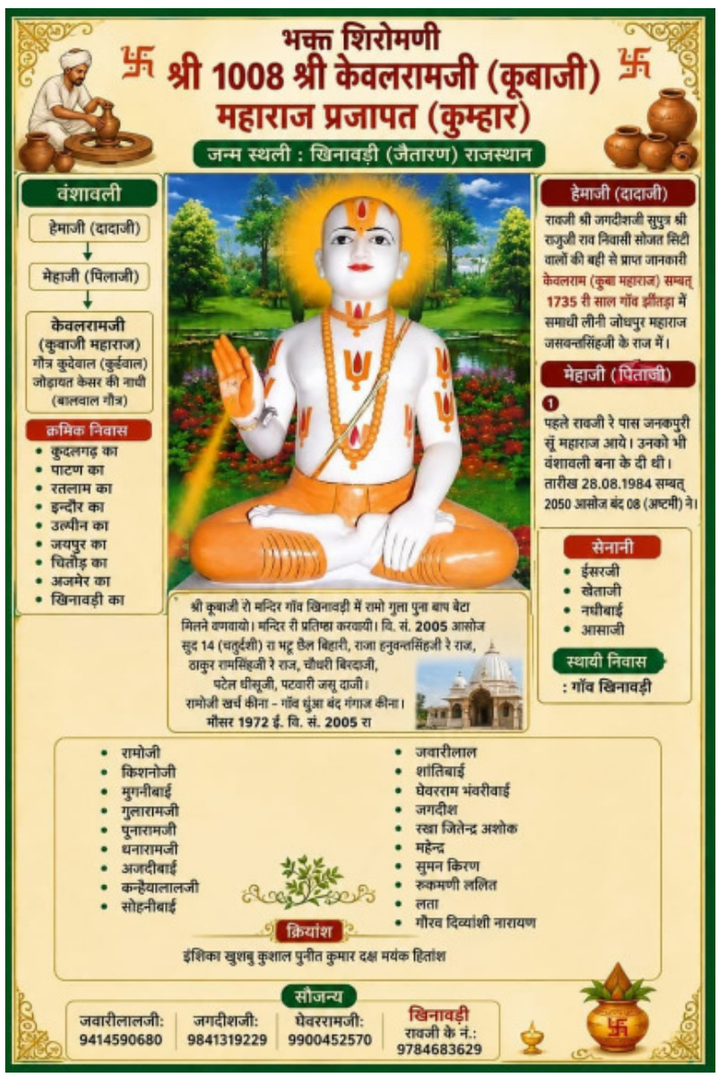

Printed Published & Owner by Dhanna Ram Choudhary And Printed at MNS Printers Pvt. Ltd., No.345/4, Bhattarahalli, Old Madras Road, Bengaluru Karnataka-560049. And Published at "Maruthi"Plaza""", No. 10/1, 1st Cross Road, 3rd Floor , Oil Mill Road, Arvind Nagar , Maruthi Seva Nagar Post, Kammanahalli, Bengaluru Urban, Karnataka -560033, Editor Dhanna Ram Choudhary , For Editorial 91641 17755, Advertisement 88676 89130 , RNI No. KNHIN/2026/A5540. E-Mail: news@bhaarataarth.com, Website: bhaarataarth.com, Established: 2026